ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-अष्टम विषय-हिन्दी व्याकरण

दिनांक—04/03/2021 (क्रिया)

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

क्रिया की परिभाषा

ऐसे शब्द जो हमें किसी काम के करने या होने का बोध कराते हैं, वे शब्द क्रिया कहलाते हैं।

जैसे: पढ़ना, लिखना, खाना, पीना, खेलना, सोना आदि।

क्रिया के उदाहरण:

- राकेश गाना गाता है।
- मोहन पुस्तक पढता है।
- मनोरमा नाचती है।
- मानव धीरे-धीरे चलता है।
- घोडा बहुत तेज़ दौड़ता है।

- ऊपर दिए गए वाक्यों में गाता है, पढता है, नाचती है, दौड़ता है, चलता है आदि शब्द किसी काम के होने का बोध करा रहे हैं। अतः यह **क्रिया** कहलाएँगे।
- क्रिया हमें समय सीमा के बारे में संकेत देती है। क्रिया के रूप की वजह से हमें यह पता चलता है कि कार्य वर्तमान में हुआ है, भूतकाल में हो चूका है या भविष्यकाल में होगा।
~~~~~~~~~~

- क्रिया का निर्माण धातु से होता है। जब धातु में ना लगा दिया जाता है तब क्रिया बन जाती। क्रिया को संज्ञा और विशेषण से भी बनाया जाता है।

धातु

क्रिया के मूल रूप को, जिससे आगे चलकर उस क्रिया के अनेक रूप बनाए जा सकते हैं, धातु कहते हैं।

जैसे- पढ़ना,डरना,आदि में पढ़,डर धातु है।

क्रिया के भेद:

कर्म तथा रचना के आधार पर क्रिया के भेद दो भेद हैं -:

1.अकर्मक क्रिया

2.सकर्मक क्रिया।

1. अकर्मक क्रिया

जिस क्रिया का फल कर्ता पर ही पड़ता है वह क्रिया अकर्मक क्रिया कहलाती हैं। इस क्रिया में कर्म का अभाव होता है। जैसे : श्याम पढता है।

इस वाक्य में पढने का फल श्याम पर ही पड़ रहा है। इसलिए पढता है अकर्मक क्रिया है। जिन क्रियाओं को कर्म की जरूरत नहीं पड़ती या जो क्रिया प्रश्न पूछने पर कोई उत्तर नहीं देती उन्हें अकर्मक क्रिया कहते हैं।

अर्थात् जिन क्रियाओं का फल और व्यापर कर्ता को मिलता है उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं।

अकर्मक क्रिया के उदाहरण :

- राजेश दौड़ता है।
- सांप रेंगता है।
- पूजा हंसती है।

- मेघनाथ चिल्लाता है।
- रावण लजाता है।
- राम बचाता है।

2. सकर्मक क्रिया

जिस क्रिया में कर्म होता है, वह क्रिया सकर्मक क्रिया कहलाती है। इन क्रियाओं का असर कर्ता पर न पड़कर कर्म पर पड़ता है। सकर्मक अर्थात कर्म के साथ।

जैसे : विकास पानी पीता है। इसमें पीता है (क्रिया) का फल कर्ता पर ना पड़ कर कर्म पानी पर पड़ रहा है। अतः यह सकर्मक क्रिया है।

सकर्मक क्रिया के उदाहरण :

- रमेश फल खाता है।
- सुदर्शन गाडी चलाता है।
- मैं बाइक चलाता हूँ।
- रमा सब्जी बनाती है।
- सुरेश सामान लाता है।

ऊपर दिए गये उदाहरणों क्रिया का फल कर्ता पर ना पड़कर कर्म पर पड़ रहा है। अतः यह उदाहरण सकर्मक क्रिया के अंतर्गत आएँगे।

धन्यवाद

कुमारी पिंकी “कुसुम”